RNI No.: RAJHIN/ 2014 / 65130

राजस्थान नेत्र ज्योति

वर्ष : 2023 अंक : 1 अक्टूबर 2022 – मार्च, 2023

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान उत्कृष्टता ट्रॉफी से सम्मानित

देश में अन्धता निवारण के लिए कोर्निया संग्रहण, प्रत्यारोपण तथा गुणवत्ता में सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान को आई बैंक ऐसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से मानेसर गुरूग्राम में आयोजित 12वें नेशनल कन्वेंशन में उत्कृष्टता ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया हैं।

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान

संपादक की कलम से !

कुछ सकारात्मक निर्णयों तथा उत्साह वर्धक उपलब्धियों के कारण आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान प्रदेश में अंधता उन्मूलन के क्षेत्र में बहुत बड़ी जिम्मेदारी के साथ अग्रणी भूमिका मे आगयी है।

गत वर्ष राजस्थान सरकार ने प्रदेश के अंधकार में जीवन जी रहे लाखों लोगों की पीड़ा को ध्यान में रखते हुए उनके लिए राईट टू साइट का कानून पास कर उसे नकेवल लागू कर दिया वरन 10 करोड़ रुपये की धन राशि की भी स्वीकृत कर दी ताकि आवश्यक उपकरण खरीद कर राजस्थान के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों तथा जिला अस्पतालो में कोर्निया ट्रांसप्लांट की आवश्यक सुविधाओं का ढांचा विकसित किया जा सके। सरकार ने निजी मैडिकल कालेजों को भी इस मानवीय कार्य में साथ लिया है ताकि अंधता उन्मूलन में राजस्थान सबसे आगे निकल सके। सच यह है कि इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में भी आई बैंक सोसाइटी की सशक्त भूमिका से ही आने वाले वर्षों में अंधता उन्मूलन के सुनहरे भविष्य की पटकथा लिखी जा सकेगी।

यह सभी को जानना चाहिए कि इस योजना की पृष्ठ भूमि में आई बैंक सोसाइटी के हमारे डायनेमिक अध्यक्ष बी. एल. शर्मा का बहुत बड़ा योगदान रहा है जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर में नेत्रदान कार्यक्रम के बारे में अपने दो दशकों के अनुभव एवं गहन अध्ययन के आधार पर विशेषज्ञता हासिल की हुई है, और देश के आई बैंकिंग फील्ड में विशेष पहचान बनाई है।उन्होनें ही राज्य सरकार को इस संपूर्ण योजना के लिए ढांचागत कार्यान्वियन और सफलता के सूत्र उपलब्ध कराए। यही वजह है कि राजस्थान पूरे देश में राईट टू विजन का कानून पास करके द्रष्टि बाधित लोगों को रोशनी का अधिकार देने वाला पहला राज्य बन सका।

आई बैंक सोसाइटी के अध्यक्ष एवं सभी सक्रिय कार्यकर्ताओ को स्वैच्छिक नेत्रदान की संख्या में भारी कमी की समस्या लम्बे समय से बहुत अधिक कचोट रही थी। सीमित आर्थिक संसाधनो के कारण कई बाधाएं समक्ष खड़ी थी। कहावत है कि 'जहां चाह वहां राह' और एक दिन यही कहावत फलीभूत हो गई, जब लंबे समय तक पीछे लगे रहने का उपक्रम एक महत्वपूर्ण सकारात्मक निर्णय का उपहार लेकर आगया। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के ए पी पी आई प्रोजेक्ट के तहत वित्तीय सहयोग मंजूर हो गया जिसके तहत गंगानगर व बीकानेर मे नये कलेक्शन सेंटर, अजमेर चेप्टर मे कार्य विस्तार में वित्तीय सहयोग तथा दौसा जिले में कम्यूनिटी आउटरीच प्रोग्राम की शुरुआत।

सबसे महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी आई बैंक सोसाइटी के सदस्यों के कंधो पर आ गई है जिनको कठोर परिश्रम करते हुए इस स्वर्णिम अवसर का लाभ उठाकर ईबीएसआर की जय- यात्रा को गतिशील बनाने के लिए समाज में नेत्रदान के संदेश को परिणाम मूलक बनाना होगा ताकि कोर्निया कलेक्शन की संख्या में बढ़ोतरी हो सके।

–लक्ष्मण बोलिया

KINDNESS LEADS TO HAPPINESS

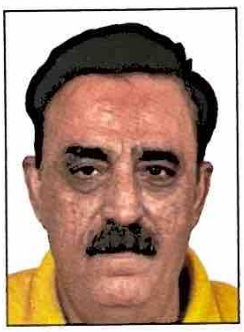

Day by day awareness of Eye Donation is picking up in Rajasthan. Which is transforming in more collection of Corneas.

Recent Study have said who so ever is involved with welfare of others, lives his life with more happiness. I have observed that same thing is happening with those who working for awareness of Eye Donation.

One donor family said "Whatever good things we do in this birth, that will take into the next birth, When the person needs something, we like to donate. Without hands, we can work. Without legs, we can work. Without eyes, what can we do?"

Secondly when we counsel the family for Eye Donation, we should always keep in mind that, we are working for receipt-ant of corneas, who will be able to see this beautiful World.

Now days people have started putting slogans of Eye Donation on Wedding cards, in their e-mails and banners in wedding receptions.

It is good start and we hope by joint efforts, a day will come there will be no shortage of corneas in India.

If we see Sri Lanka is the highest in cornea collection. Sri Lanka has long been recognized as the country that supplies eyes to the world. Since the 1960s, Sri Lanka has become a major donor of corneas to more than 58 countries.

-Gobind Gurbani
Co Editor
E-mail : gbgurbani@gmail.com

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

President Message

Dear friends,

Eye Bank Society of Rajasthan has had a roller coaster year 2022. It was first full year of normal working after the Pandemic. It is to the credit of active members and sincere work by the members of the staff. Let me take you through the journey of the Year step by step.

APPI Project. We have been working with Ajim Premji Philanthropy Initiative even before the onset of Covid. Finally, APPI have accepted our project for a partnership of 3 years which can be further extended for a period of 5 years. The program includes tree projects. Firstly, expanding the network by opening new collection centres at Bikaner and Sri Ganganagar. Second, a community outreach program is to be initiated for the first time by EBSR in Dausa Distt. Here our team will go up to the Panchayat level to spread the message of eye donation with the help of local authorities and social workers. Thirdly, they will support running of Ajmer chapter by reimbursing its cost. The total financial support for a 3 year period would be Rs 86.92Lks.

The Eye Bank Association of India organised their annual convention this year at Gurgaon in Nov 2022. I am very happy to share with you that Eye Bank Society Rajasthan has been awarded a Trophy being the Best Eye Bank in the North Zone. It is a matter of great Pride for the organisation to be bestowed with this coveted honour at All India level. It is recognition of the hard work and commitment shown by one and all in the EBSR throughout is journey of last 20 years. Congratulations to one and all. I hope we will keep the flag flying high.

The performance during the year 2022 has been just outstanding. We have written new chapter in our history. To summarise the performance, I would like to say that we received 2684 corneas out of which 1704 were transplanted. Highest ever. It is a matter of great satisfaction that we have so far, since Inception, collected about 19000 corneas out of which about 12,000 have been transplanted at a very healthy rate of 65%. This means we have been able to provide reason for happiness to about 50,000 family members.

There is more to share. In the last quarter, October- December 22, we transplanted 501 corneas, highest ever in a quarter. Members of staff have been improving their performance continuously.

In the first quarter of the New Year 2023, the momentum has been maintained by collecting 780 corneas and transplanting 514 corneas which is better than the last quarter. Most redeeming feature has been that Ajmer chapter has showed very encouraging improvement in utilisation rate. Jaipur has given good results but need to concentrate on recovery from wards where there is vast scope.

However, distribution of cornea remains a cause of attention. During the last year almost 45% cornea's harvested from Rajasthan were sent to about 24 cities in India for utilisation as despite the fact that there are large number of cornmeal blind people waiting for transplant in Rajasthan itself. It is so because there are not enough keratoplasty surgeons in government hospitals or even in private hospitals to utilise the available corners with EBSR. We have been impressing upon the government to increase the facility in government hospitals up to district level.

The year 2023 comes with new challenges. we have to implement the Appi project in letter and spirit to prove our worth. We have to scale new heights to help waiting visually challenged persons. We should of course, continue to raise donations to improve our financial sustainability.

I am sure we all will continue with the renewed vigour towards our goal.

Good Luck!

B. L. Sharma
President

ललित पी कोठारी कपिल गर्ग उमेश मिश्र श्रीमती उषा शर्मा बी. एल. शर्मा डा.सुधीर भंडारी विनय सचेती

मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा ने कहा कि प्रदेश में नेत्रदान को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य स्तरीय मुहिम चलाई जाएगी जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों के जीवन के अंधेरे को दूर कर उनके जीवन में उजियारा किया जा सके।

श्रीमती शर्मा 19 मार्च, 2023 को आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान द्वारा भट्टारक जी की नसियां में आयोजित नेत्रदानी परिवार सम्मान समारोह को सम्बोधित कर रही थीं।

इस अवसर पर नेत्रदान के महत्त्व को रेखांकित करते हुए मुख्य सचिव ने आश्वासन दिया कि जिला कलेक्टरों एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ अगली बैठक में वे नेत्रदान को राज्य स्तरीय मुहिम बनाने के निर्देश देंगी, जिससे नेत्रदान के लिए लोगों को ज्यादा से ज्यादा संवेदनशील बनाने के प्रयास किया जाए।

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के प्रयासों की सराहना करते हुए श्रीमती शर्मा ने कहा कि इस संस्थान का सफल होना निश्चित है क्योंकि यह एक महान उद्देश्य के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2002 में पंजीकृत होने के बाद से अब तक 21 साल की यात्रा में संस्थान ने पूरी प्रतिबद्धता और ईमानदारी से कई आयाम स्थापित किए हैं। अभी तक संस्थान ने 19 हजार कॉर्निया प्राप्त किए हैं, जिनसे 12 हजार लोगों को नेत्र ज्योति का तोहफा दिया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान एक संवेदनशील राज्य है और नेत्रदान अभियान अगर मिशन मोड पर चला तो यह 19 हजार कॉर्निया का आंकड़ा बढ़ेगा और हम ज्यादा से ज्यादा लोगों की मदद कर पाएंगे। मैं बहुत पहले ही इस शुभ कार्य से नहीं जुड़ पाई, यह मेरी निजी क्षति है।

श्रीमती शर्मा ने कहा कि हमारे शरीर के अंगों का प्रत्यारोपण संभव है और यह लोगों के काम आ सकता है। कॉर्निया डोनेशन इसलिए महत्त्वपूर्ण है क्योंकि आँखें हमारे शरीर का सबसे महत्त्वपूर्ण अंग है और अगर किसी को डोनेशन से आँखें मिल सकती हैं तो वह उजियारे का जीवन जी सकता है। उन्होंने कहा कि लोगों को कॉर्निया डोनेशन के लिए जागरूक करना एक बड़ी चुनौती पूर्ण कार्य है, जिसके लिए आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान जी जान से जुटी है। उन्होंने बताया कि सरकार हमेशा तत्पर होकर इस संस्थान को सहयोग देती आ रही है क्योंकि यह संस्थान बहुत ही सार्थक कार्य कर रही है।

इस सम्मान समारोह में जयपुर के आसपास रहने वाले लगभग 62 नेत्रदाता परिवारों को सम्मानित किया गया। इन परिवारों ने अपने अनुभव साझा किए व आई बैंक सोसायटी को सम्मानित करने के लिए धन्यवाद दिया तथा नेत्रदान मिशन के लिए शुभकामनाएं दी।

समारोह में भारी संख्या में सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, समाजसेवी तथा नेत्रदानी परिवारों के लोग उपस्थित थे।

सम्मान समारोह में राजस्थान के पुलिस महानिदेशक श्री उमेश मिश्रा ने कहा कि आज दृष्टि बाधित लोगों को रोशनी देने के इस समाज सेवी कार्यक्रम में भाग लेकर मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है। नेत्रदान करने वाले परिवारों को सम्मानित करने से लोगों में जागरूकता बढ़ेगी तथा नेत्रदान कार्यक्रम को और अधिक गति मिल सकेगी।

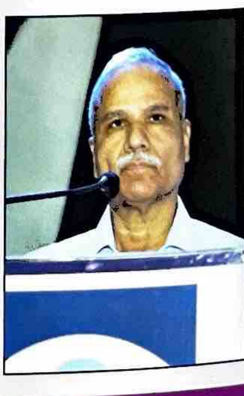

श्री मिश्रा ने कहा कि राजस्थान पुलिस विभाग पहले से ही नेत्रदान कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान कर रहा है। भविष्य में जो भी मदद पुलिस विभाग से मांगी जाएगी, हम तत्परता से पूरा सहयोग करेंगे।

उल्लेखनीय है कि पुलिस विभाग द्वारा नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराने में मदद के अलावा दुर्घटना में मृतकों का नेत्रदान कराने हेतु थाना स्तर पर इस कार्य में सहयोग किया जा रहा है। पुलिस प्रशिक्षण केन्द्रों में नेत्रदान विषय को पाठ्यक्रम में शामिल करने का भी निर्णय लिया जा चुका है।

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्व विद्यालय के उप कुलपति डॉ. सुधीर भण्डारी ने कहा कि कॉर्निया प्रत्यारोपण में डॉक्टरों की कमी को शीघ्र दूर किया जाएगा। जिला स्तरों पर शार्ट फैलोशिप प्रोग्राम चलाएंगे। मुझे ई.बी.एस.आर. के डेडीकेशन एवं पर्सुएशन ने बहुत प्रभावित किया है।

डॉ. भण्डारी ने कहा की भारत में प्रतिवर्ष करीब 2 लाख कॉर्निया की आवश्यकता होती है और पूरे देश में हम केवल 50 हजार कॉर्निया ही प्राप्त कर पाते है। हर साल हमें 30-40 हजार कॉर्निया की जरूरत बढ़ जाती है, ऐसी स्थिति में जो कॉर्निया कलेक्शन में कमी आई है उसे हम पूरा करने का प्रयास करेंगे एवं पूरा सहयोग करेंगे।

समारोह में एसएमएस अस्पताल के प्रधानाचार्य व नियंत्रक डॉ. राजीव बगरहट्टा ने कहा कि नेत्रदान का लाभ हर अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। श्री बी.एल. शर्मा द्वारा सुझाये गये तीनों तरीकों पर विशेष रूप से कार्य करते हुए सफलता प्राप्त करेंगे।

आई बैंक सोसायटी के अध्यक्ष श्री बी.एल. शर्मा ने आई बैंक सोसायटी के वर्ष 2002 में गठन से लेकर वर्तमान तक इसकी उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि अब तक 19000 कॉर्निया प्राप्त किये गये थे जिसमें से 12000 व्यक्तियों को कॉर्निया ट्रांसप्लांट द्वारा नेत्र ज्योति दिलाई गई। नेत्रदान के इस कार्य में हमारा ध्यान संख्यात्मक की अपेक्षा गुणवत्ता आधारित रहता है। भारत के अन्य राज्यों में कॉर्निया की सफलता की दर 45 प्रतिशत तथा अन्य देशों में 65 प्रतिशत तक रहती है। हमारी सफलता भी लगभग 65 प्रतिशत ही रहती है। आज राजस्थान का आई बैंक सफलता दर में पूरे भारत देश का अग्रणी आई बैंक है। अमरीका की साइट लाइफ सेंटर इस दिशा में महत्त्वपूर्ण कार्य कर रहा है। लगभग 150 आई बैंक देशभर में हैं जिनमें से केवल 10 को ही निर्धारित मानदण्ड पूरे करने पर मान्यता प्रदान की गई है जिनमें से आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान एक है। वर्ष 2022 में पश्चिम जोन की ट्राफी राजस्थान एवं दिल्ली के श्रॉफ आई हॉस्पिटल को संयुक्त रूप से प्रदान की गई है। वर्ष भर में लगभग 2000 कॉर्निया में से 1000 सरकारी संस्थानों के माध्यम से व शेष निजी संस्थानों के माध्यम से लगाए जाते हैं। देशभर में हर समय लगभग 2.5 लाख कॉर्निया की आवश्यकता होती है। मृतकों के परिजनों को नेत्रदान के लिए समझाइश करने में ही काफी समय लग जाता है। आगामी 5 वर्षों के लिए हमारा लक्ष्य 5000 कॉर्निया प्रतिवर्ष लगाने का है। इसमें 3 तरीकों से सफलता प्राप्त की जा सकती है यदिः

1. सभी सरकारी हॉस्पिटलों में कॉर्निया प्रत्यारोपण की सुविधा हो। 2. निजी हॉस्पिटलों को कॉर्निया प्रत्यारोपण हेतु अधिक राशि दी जाए। 3. भविष्य में नेत्र चिकित्सक बनने वालों को अनिवार्य रूप से केरेटोप्लास्टी का प्रशिक्षण दिया जाए। विगत वर्ष में प्राप्त 17000 कॉर्निया में से 35 प्रतिशत सवाई मानसिंह हॉस्पिटल को व शेष 65 प्रतिशत निजी हॉस्पिटलों को दिये गए हैं।

सम्मान समारोह में नेत्रदानी परिवार के सदस्यों एवं कॉर्नियल लाभार्थी ने अनुभव साझा किए

1. श्रीमती स्वाति श्रीश्रीमाल ने अपने पिताजी का नेत्रदान करवाया। उन्होंने बताया कि उनके परिवार को खुशी है कि नेत्रदान करवाकर उन्होंने अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन किया। उनकी प्रेरणा स्रोत उनकी बुआजी श्रीमती उषा बाफना है जो कि आई बैंक की वरिष्ठ सदस्या एवं ज्वाइंट सेक्रेट्री हैं, जिन्होंने निर्धारित समय में ही संस्था से उनके पिताजी का नेत्रदान कराया।
2. श्री रमित कुमार द्वारा अपनी माता श्री का नेत्रदान करवाया गया। उन्हें नेत्रदान की प्रेरणा श्री पवन बंसल से मिली, जो नेत्रदान के कार्य में संलग्न है। मृत्यु उपरान्त उन्होंने पवन बंसल जी को फोन किया, जिनकी मदद से नेत्रदान की प्रक्रिया सुगमता से पूर्ण की गई।
3. श्रीमती मंजू जोशी ने अपने पति का नेत्रदान करवाया। उन्होंने बताया कि उनके पति की मृत्यु अकस्मात हृदय घात से हो गई। इस घटना से उन्हें गहरा आघात पहुँचा। उस समय उनका परिवार ईबीएसआर अध्यक्ष श्री बी.एल. शर्मा जी के किरायेदार के रूप में रहते थे। उनका नेत्रदान श्री बी.एल. शर्मा एवं उनकी पत्नी श्रीमती शोभा शर्मा की प्रेरणा से हुआ। मंजू जोशी जी ने कहा कि नेत्रदान करवाकर उनके मन को शांति एवं आंतरिक खुशी मिली। वे भविष्य में इस प्रकार के सामाजिक कार्यों में जुड़ना चाहती हैं।
4. श्री राजेश कुमार एक कॉर्नियल लाभार्थी हैं। उन्होंने स्वयं के कॉर्नियल प्रत्यारोपण के पश्चात् आए हुए आश्चर्यजनक एवं सुखद अनुभव व्यक्त करते हुए बताया कि उनका कॉर्निया क्षतिग्रस्त हो गया था और वे देख नहीं पा रहे थे। उन्हें अत्यन्त खुशी है, आई बैंक सोसायटी से सम्पर्क करने के पश्चात् उनका कॉर्निया प्रत्यारोपित हुआ और उनकी जिंदगी में फिर से रोशनी आ गई।

नेत्रदानी परिवार सम्मान समारोह के बारे में विशिष्ठजनों की प्रशंसा प्रतिक्रियाएं

1. शर्मा साहब, नेत्रदान के क्षेत्र में अद्वितीय सफलता के लिए आपको तथा आपकी पूरी टीम को हार्दिक बधाई। आपने केवल नेत्रहीन के जीवन को आलोकित किया है, उनके परिवार को एक अकथनीय दु:ख से उबारा है। उनका प्रेम और आशीर्वाद सदैव आपके साथ रहेगा। आपने एक ही जन्म में कई जन्मों का पुण्य कमा लिया। इस शुभ कर्म के लिए आपको और आपकी प्रेरणा स्रोत शोभा जी को पुन: पुन: बधाई एवं शुभकामनाएं।

   – श्रीमती मृदुला बिहारी
   विख्यात लेखिका

2. *Sir, congratulations to you and your team for the outstanding work done.*

   ***-Ms. Alka Kala,** IAS (Retd.)*

3. *BL congratulations on the excellent wok you are doing for the Society through the Eye Bank Society of Rajasthan.*

   ***- K.S. Rastogi,** IAS (Retd.)*

4. *BL Sahab, it was apparent to me y'day, that you were the one holding all the strings of the Eye movement in Rajasthan and you were the guiding spirit of this movement. Congratulations for your tremendous achievement in this most humanitarian cause. I salute you.*

   ***- Mr. Sudhir Kala,** IRS (Retd)*

5. *A big big salute to the leader of the excellent team – our own B.L. Very well organised and conducted – proud of you – God bless and best wishes – thank you B.L. love.*

   - Mrs. Roop Kaul
   Owner Tiny Tots Higher Secondary School, Lalkothi Scheme, Jaipur

6. *Roopji has v eloquently echoed my thoughts on Sharma sir and his organizations service to mankind.*

   - Ranjana Chowdhary

7. *Extremely sorry that we missed the grand function. We all are very happy with its success and very much appreciate the excellent overall working done by the group under the able leadership. All good wishes for EBSR's collective working in the future, All of us.*

   - Ravi Toshniwal
   President, Ajmer Chapter

अतिथियों को स्मृतिचिह्न भेंट करते हुए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सचिव

नेत्रदाताओं के परिवारजनों को सम्मान-पत्र एवं स्मृति चिह्न भेंट करते हुए अतिथिगण

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

ऑफ राजस्थान

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

राजस्थान

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

जोधपुर में 'दृष्टिदाता सम्मान समारोह' का आयोजन

सम्मान पत्र भेंट करते हुए जस्टिस एन. एन. माथुर व राजेन्द्र जैन

जोधपुर। राष्ट्रीय संत प. पू. चन्द्रप्रभ सागर जी महाराज सा के सानिध्य तथा न्यायाधिपति एन. एन. माथुर, पूर्व संभागीय आयुक्त श्री रतन लाहोटी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर के डीन डॉ. कुलदीप सिंह, माथुरादास माथुर अस्पताल के नेत्र विभाग के डॉ. अरविन्द चौहान, एम्स के नेत्र विभाग के डॉ. निखिल अग्रवाल, डॉ. अनिल राठी एवम् नेत्रदाता परिवारों, शहर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में दृष्टि दाता सम्मान समारोह का आयोजन संबोधि धाम में आयोजित किया गया। प. पू. ने नेत्रदान के लिए सभागार में उपस्थित सज्जनों को कई उदहारण सहित प्रेरित करते हुए बताया कि उनके पू. पिताजी महाराज के देवलोक गमन होने पर उनकी इच्छा का आदर करते हुए नेत्रदान करवाए। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति जी और प्रधानमंत्री जी के साथ मेरा समागम होने पर जी एस टी लागू करने के निर्णय की तरह एक माह के लिए मरणोपरांत नेत्र दान कराने का नियम बनाने की प्रेरणा दूंगा। आई बैंक की सेवाओं को साधुवाद देते हुए गत वर्षो में नेत्र ज्योति देने वाले परिवारों को अभिनंदित करते हुए सभी को इस यज्ञ मे सम्मिलित होने का आव्हान करते हुए स्वयं के नेत्रदान करने का संकल्प प्रकट किया। न्यायाधिपति श्री माथुर ने अपने उद्धबोधन में कहा की परमात्मा ने हमे मानव जन्म देकर सेवा करने का अवसर प्रदान किया है।सकारात्मक सोच की भावना रखते हुए नेत्रदान में अग्रणी होना चाहिए। श्री लाहोटी ने इस अवसर पर अपने विचार रखते हुए समाज को नेत्रदान कर अंधत्व निवारण मे आगे आना चाहिए। डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. अरविन्द चौहान, डॉ. निखिल अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा की सर्वप्रथम श्री गणेश जी का अंग प्रत्यारोपण हुआ। हम सभी को इस पुनीत सेवा में आई बैंक के साथ सहयोग कर अंधत्व निवारण में भागीदार बनना चाहिए। राजस्थान

दृष्टि दाता सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए जोधपुर चेप्टर के संयोजक राजेन्द्र जैन मंच पर है राष्ट्र संत श्री चन्द्रप्रभ सागर जी, जस्टिस एन. एन. माथुर, श्री रतन लाहोटी पूर्व आईएएस व जोधपुर एम्स के डीन डॉ. कुलदीप सिंह व अन्य

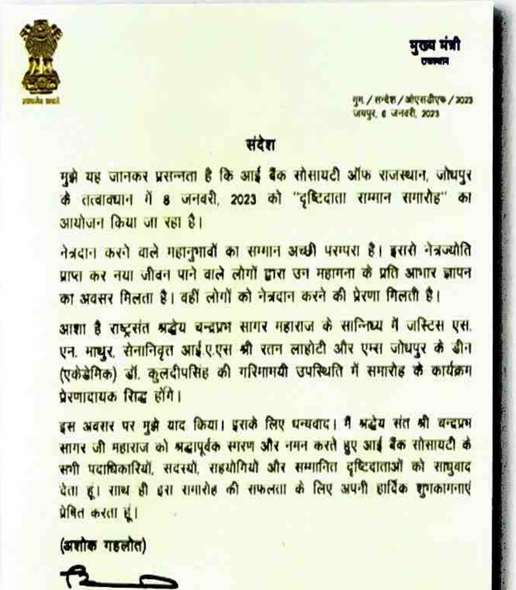

मुख्य मंत्री
राजस्थान

मु.म. / सन्देश / ओएसडीएफ / 2023
जयपुर, 6 जनवरी, 2023

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, जोधपुर के तत्वावधान में 8 जनवरी, 2023 को "दृष्टिदाता सम्मान समारोह" का आयोजन किया जा रहा है।

नेत्रदान करने वाले महानुभावों का सम्मान अच्छी परम्परा है। इससे नेत्रज्योति प्राप्त कर नया जीवन पाने वाले लोगों द्वारा उन महामना के प्रति आभार ज्ञापन का अवसर मिलता है। वहीं लोगों को नेत्रदान करने की प्रेरणा मिलती है।

आशा है राष्ट्रसंत श्रद्धेय चन्द्रप्रभ सागर महाराज के सान्निध्य में जस्टिस एस. एन. माथुर, सेनानिवृत्त आई.ए.एस श्री रतन लाहोटी और एम्स जोधपुर के डीन (एकेडेमिक) डॉ. कुलदीपसिंह की गरिमामयी उपस्थिति में समारोह के कार्यक्रम प्रेरणादायक सिद्ध होंगे।

इस अवसर पर मुझे याद किया। इसके लिए धन्यवाद। मैं श्रद्धेय संत श्री चन्द्रप्रभ सागर जी महाराज को श्रद्धापूर्वक स्मरण और नमन करते हुए आई बैंक सोसायटी के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों, सहयोगियों और सम्मानित दृष्टिदाताओं को साधुवाद देता हूं। साथ ही इस समारोह की सफलता के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(अशोक गहलोत)

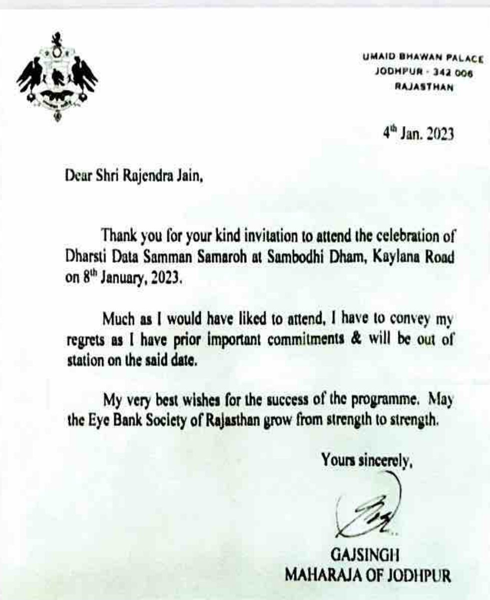

UMAID BHAWAN PALACE
JODHPUR - 342 006
RAJASTHAN

4th Jan. 2023

Dear Shri Rajendra Jain,

Thank you for your kind invitation to attend the celebration of Dharsti Data Samman Samaroh at Sambodhi Dham, Kaylana Road on 8th January, 2023.

Much as I would have liked to attend, I have to convey my regrets as I have prior important commitments & will be out of station on the said date.

My very best wishes for the success of the programme. May the Eye Bank Society of Rajasthan grow from strength to strength.

Yours sincerely,

GAJSINGH
MAHARAJA OF JODHPUR

के मुख्य मंत्री श्री अशोक गहलोत तथा मारवाड़ जोधपुर के भूतपूर्व महाराजा श्री गज सिंह ने भी कार्यक्रम की सफलता की कामना करने का संदेश देते हुए आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर 62 नेत्र दानी परिवारों का अभिनंदन किया गया।

राजेन्द्र जैन
संयोजक, ईबीएसआर
जोधपुर चेप्टर

FUTURISTIC GROWTH OF EBSR IN COLLABORATION WITH AZIM PREMJI PHILANTHROPY INITIATIVE (APPI)

Vinay Sacheti
Vice-President, EBSR

Having successfully built WIPRO to be a business leader in Information Technology in the country, Azim Premji felt the need to contribute to social causes and address various challenges being faced by the Society. That is how Azim Premji Foundation came to be established in 2001. The Foundation's vision is to contribute towards a more just, equitable, humane and sustainable society.

The Foundation supports Not For Profit Organisations (NPO) with multiyear financial and corpus grants through its organ Azim Premji Philanthropy Initiative (APPI). It supports people who are severely disadvantaged and marginalised with immediate care, access to essential services and the possibility of dignified future. It functions in collaboration with State Governments and groups of NPOs to address the issues systemically.

The gamut of activities being pursued by Eye Bank Society of Rajasthan fit in very well in the operational vision of APPI. Driven by this consideration, EBSR approached APPI in the year 2020 for financial grant. A Concept Note, highlighting the need of improvement and upgradation in the infrastructure of EBSR to facilitate increase in the pace of cornea collection was submitted. It was proposed to collect 7000 transplantable corneas during the Project period of five years with gradual rise in free distribution of quality corneas to the poor and needy people of the society, from 50% to 100%, at a total estimated outlay of INR 707.20 lakhs.

After detailed analysis, the proposal was accepted in principle by APPI and EBSR was required to submit Grant Application Pack on their Grant Management Portal. Since the templates designed by APPI were found to be very technical and exhaustive in nature, it was thought desirable to engage Consultancy Agency Devoe, who are proficient in doing this type of job. Devoe completed the assignment within the prescribed time frame and the proposals were finally submitted to APPI. Thereafter prolonged deliberations took place with APPI Management, including a visit by their Finance Team and later by their Administrator to Jaipur and Bhilwara to give final shape to the programme. It was suggested that EBSR should expand its activities to the areas so far not covered by it, so that benefit may reach far and wide. Besides this, since the success of programme depends on the awareness in the masses about the virtues and benefits of Eye Donation, adequate emphasis should be laid on Community Outreach. In addition, the existing structure should be adequately strengthened.

> ***The Donor Agency was visibly impressed with the scope and relevance of the activities of EBSR. It was considered to be unique programme in the sense that it not only provides vision to the corneal blind but also helps them and their families to lead a dignified life.***

In view of the above narrative, proposals were revised, which have been approved by APPI for implementation during next three years, beginning from the current year, with a sanctioned grant of INR 86,92,000 /-. APPI has also given to understand that the Partnership is on a long term basis subject to attainment of their vision on a sustained basis.

The revised plan incorporates following programmes:

1. Community Outreach Programme :

As is well known, lack of awareness about eye donation in the urban and rural population has resulted in low rate of cornea collection in the state. The Community Outreach programme has to be, therefore, taken on top priority so that the message reaches to all stakeholders clear and loud. The idea is to make eye donation a community movement.

The ongoing Awareness Campaign need to be, therefore, carried forward with still more diligence and by involvement of modern technology and innovations. So far the programme has been oriented to urban mindset. This has to change. Focus now need to be placed on Micro and Macro levels of the society so that wider spectra of population are covered.

In order to have a focused attention on the theme of the

programme, it has been decided to implement it in the Dausa district, because of its proximity to Jaipur.

The main thrust of the programme will be on networking with Government Hospitals, local Dispensaries and philanthropic organisations, NGOs , District level officers, Panchayats, Colleges and schools. Workshops, Meetings and Camps will be organised with the help of these organisations. Basic eye testing will form an important component of the programme, so as to attract rural masses.

One Project Officer and one Technician will be deployed in Dausa to execute the programme.

2. Network Expansion Programme:

So far EBSR has been able to establish Chapters / Eye Collection Centres (ECC) at nine District Headquarters, namely Jaipur, Ajmer, Jodhpur, Udaipur, Pali, Bhilwara, Alwar, Kota, and Bundi. It has been now proposed to open a new centre at Bikaner. Its functional model would be the similar to the existing centres.

The centre will be managed by an Assistant Manager and supported by an Eye Donation Councellor cum Technician.

3. Strengthening of existing structure :

It has been decided to include Ajmer Chapter under this programme. Beawar and Kishangarh would now form part of Ajmer chapter. It will be now controlled by an Assistant Manager.

APPI lays considerable emphasis on timely monitoring of the Projects funded by them. Outcome of the programmes will always remain their priority. They want to ensure that the benefit of the programme reaches to the stakeholders as envisaged in the Project. Continuance of future collaboration will depend on EBSR's ability to achieve the stipulated targets and maintain sustainability.

The implementation of all the programmes have already commenced and progress is being reviewed from time to time.

ANNUAL VISION WORKSHOP

Annual Vision Workshop was held on 5th January 2023. Members of the Eye Bank Society of Rajasthan and all employees participated in the workshop. Annual progress report was reviewed in this workshop. We surpassed all previous records for collections and transplants of corneas.

Collections: 2684 (Previous record 2179 in year 2019)

Transplants: 1704(Previous record 1437 in year 2019)

Jaipur, Kota and Ajmer and Ajmer chapters performed very well. Performance of other chapters was reviewed in greater details to outline measures to be taken up so that their performances also improve.

Figures of deaths, notification, consents and cornea collection were reviewed for all hospitals of Jaipur, as to identify action points for further increasing cornea collections in Jaipur.

Two outstanding performers were given appreciation certificates

Cheques for incentive amounting to Rs. 2.52 lakhs were given to field technicians. Other staff were given cheques for bonus amounting to Rs. 64 thousand for outstanding performance for the year 2022.

-Sudershana Shekhawat
Sr. Manger EBSR

राजस्थान नेत्र ज्योति
अक्टूबर 2022 – मार्च, 2023

नेत्रदान पर धार्मिक सन्तों के विचार

सूरजमल पोरवाल, अध्यक्ष, उदयपुर चेप्टर

संसार के सभी धर्मों का आधार मानव सेवा ही है। इसी मानव सेवा के अंतर्गत दृष्टिहीन व्यक्तियों की पीड़ा को हम भली भांति समझ सकते हैं। आज भारत में 20 लाख से अधिक व्यक्ति आंखो की बीमारी के कारण अंधेरे में जीवन जी रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण कोर्नियां के ऊपर जमा होने वाला सफेद जाला है। आजकल मोबाइल का उपयोग भी दिनोदिन बढ़ता जा रहा है। कोर्निया की सुरक्षा की ओर ध्यान देना भी आवश्यक है।

कोर्नियल ब्लाइंडनेस के कारण अंधेरे मे जीवन जीने वाले लोगों की संख्या मे हर साल इजाफ़ा होता जा रहा है जबकि मृत देह से दान मे मिलने वाले कोर्निया की उपलब्धता काफी कम है। प्रकृति ने स्वतः ही मृत्यु के बाद कोर्निया का उपयोग करने के लिए 6 घंटे का समय दिया है। राजस्थान मे इस कार्यक्रम को फरवरी 2002 में प्रारभ किया गया। राजस्थान आई बैंक सोसाइट द्वारा चलाए जा रहे इस कार्यक्रम के तहत उदयपुर सहित अन्य चैप्टर्स द्वारा अंधता निवारण के प्रयास किये जा रहे हैं। आवश्यकता अनुसार कोर्निया की उपलब्धता बहुत कम होने का मुख्य कारण धार्मिक अंधविश्वास और रूढ़िवादिता है। हमारा समाज इस वैज्ञानिक युग में भी इस स्थिति से बाहर नहीं आ पा रहा है।

इस बुराई से दूर होने के लिएअलग अलग धार्मिक संतो के विचार दिये जा रहे हैं। निश्चित तौर पर इस बारे में उनके विचार पढ़कर समाज के व्यक्तियों में अंधविश्वास समाप्त होगा तथा कोर्निया दान करने वालों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हो सकेगी।

जरा सोचिये कि एक पेड़ एक युग तक फल देता है जबकि कपडे, कंबल, रुपये, पैसे कुछ समय में समाप्त हो जाते हैं। किंतु नेत्रदान से दृष्टिहीन की पूरी जिंदगी बदल जाती है और वह व्यक्ति हमेशा दानदाता को दुआएं देता रहता है।

- अगर किसी सिख की आंख मरणोपरांत अन्य अन्धे व्यक्ति को द्रष्टि दे सके तो यह गुरुवाणी के अनुरूप होगा।

  –सरदार जसवंत सिंह
  सचिव, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, वाराणसी

- ऐसा कोई नियम नहीं है कि नेत्रदान करने वाला व्यक्तिअगले जन्म में नेत्र हीन होगा स्वर्ग अथवा नरक में जीव दैहिक नेत्रों से नहीं देखता है।

  –श्री जगद्गुरु शंकराचार्य शारदा पीठ

- बौद्ध धर्म में यह लिखित है कि नेत्रदान देने वाला व्यक्ति 500 जन्मों तक नेत्रों का लाभ पाता है और पुण्य का भागी होता है।

  -फ्री एप्स तिब्बती विश्वविद्यालय, सारनाथ

- सभी दानो में सर्वश्रेष्ठ नेत्रदान है, इसलिए वेद ग्रंथों में चक्षु का बहुत महत्व है। प्रत्येक प्राणी को मृत्यु के पश्चात नेत्रदान करना चाहिए जिससे परमात्मा प्रसन्न होते हैं और वे पुण्य के भागी होते हैं।-

  – पंडित वल्ला लक्ष्मण शास्त्री

- ॐ श्री सतनाम साक्षी मनुष्य की मृत्यु के उपरांत देह पंचतत्व में विलीन हो जाती है। मृत्यु के बाद मनुष्य का शरीर अग्नि, भूमि या जल को समर्पित किए जाने की परंपराएँ हैं, जिससे भौतिक शरीर के समस्त अंग पंच तत्व में विलीन हो जाते हैं। अगर मनुष्य अपने जीवन-काल में ही नेत्र-दान का संकल्प करें, तो नेत्रहीन व्यक्ति के जीवन में भी रोशनी आ जाएगी।

  – स्वामी भगत प्रकाश जी महाराज
  मंडलाध्यक्ष, अमरापुर स्थान, जयपुर

हम नेत्रदान का समर्थन करते हैं!

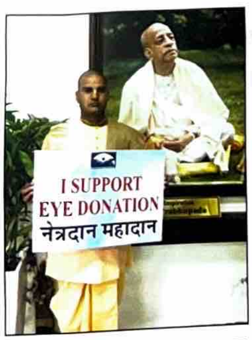

स्वामी निलाम्बर कृष्णदास
अक्षय पात्र मंदिर
जयपुर

ताराचंद चौधरी
अध्यक्ष
राजस्थान जाट समाज संस्थान

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद छाबड़ा
अध्यक्ष
राजस्थान स्वास्थ्य योग परिषद्, जयपुर

स्वामी भगत प्रकाश जी महाराज
मंडलाध्यक्ष
अमरापुर स्थान, जयपुर

कोटा : बारातियों ने भरे नेत्रदान के 230 संकल्प-पत्र

कोटा में गत 8 दिसंबर, 2022 के दिन आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, तथा शाइन इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्त्वावधान में नेत्रदान के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से संस्था के ज्योति मित्र, राठौर सौशल ग्रुप के अध्यक्ष श्री सोनू साहू लाडला ने अपने विवाह समारोह को ही वृहद नेत्रदान जागरूकता शिविर के रूप में तब्दील कर दिया।

विवाह तय होते ही उन्होंने अपनी होने वाली पत्नी अंतिमा साहू और दोनों परिवारों के सदस्यों से विवाह समारोह में नेत्रदान संकल्प पत्र शिविर लगाने एवं नेत्रदान संकल्प लेने की बात कर ली थी, जिस पर सभी ने सहर्ष स्वीकृति प्रदान की।

परिवार में नेत्रदान के प्रति जागरूकता को बढ़ते हुए देखने पर सोनू ने एक और अनोखा निर्णय लिया, कि उन्होंने अपनी पूरी बारात को ही नेत्रदान का संदेश देने वाली झांकी में बदल दिया। दिनांक 8 दिसम्बर, 2022 को सोनू और अंतिमा का विवाह संपन्न हुआ। पूरे दिन और रात विवाह समारोह में अन्य किसी शुभ कार्य की चर्चा कम थी पर नेत्रदान की चर्चा सभी जगह थी।

घर परिवार के छोटे बच्चों ने भी अपने माता-पिता से मनुहार करके नेत्रदान के संकल्प पत्र भरवाए। दूरदराज से आने वाले लोग नेत्रदान संकल्प के लिए काउंटर पर आये और पहली बार उन्होंने जाना कि मृत्यु के बाद भी आँखे 6 घंटे तक जीवित रहती हैं और वह किसी कोर्नियल ब्लाइन्डनेस वाले की आँखों में रोशनी पहुंचा सकती है।

बारात में दूल्हे के हाथ में 'नेत्रदान-महादान' का संदेश देते हुए एक कटआउट था। इसी तरह बारात में आए हुए मेहमानों के हाथों में भी 'नेत्रदान-महादान' का संदेश देते हुए तख्तियाँ मौजूद थी। शादी में आये हुए मेहमानों और रास्ते में आने वाले लोगों को शाइन इंडिया फाउंडेशन की ओर से नेत्रदान जागरूकता के पम्पलेट भी बाँटे गए।

बारात में नेत्रदान का संदेश देती हुई, एक झांकी भी आकर्षण का केंद्र रही, जिस पर नेत्रदान को परिवार की परंपरा बनायें का संदेश लिखा हुआ था। इसके साथ ही शादी समारोह में दो जोकर भी सभी मेहमानों के बीच जाकर नेत्रदान-महादान का संदेश दे रहे थे।

दूल्हे के तोरण मारने से पहले जितने भी मेहमान उपस्थित थे उन सभी के लिए एलईडी पर नेत्रदान जागरूकता का संदेश देते हुए वीडियो और नेत्रदान के कार्य को प्रेरित करने के लिए सामाजिक कार्यकर्ताओं के संदेश लगाए गए थे।

आई बैंक सोसायटी बी.बी.जे. के डॉ कुलवंत गौड़ ने बताया कि, उनकी संस्था का ही पहला प्रयास था, जब पहली बार 3 वर्ष पूर्व दूल्हा दुल्हन ने अपने विवाह समारोह में नेत्रदान संकल्प शिविर रखा था। उसके उपरांत देश के कई सारे वैवाहिक समारोह में ऐसे आयोजन को दोहराया गया।

अब इस बार संस्था की ओर से दूल्हे की बारात के माध्यम से नेत्रदान का संदेश देते हुए जागरूकता का संदेश पहुंचाने का प्रयास किया गया, इस तरह का आयोजन भी देश में पहली बार किया जा रहा है।

दूल्हे ने इस कार्यक्रम को आयोजित करने के पीछे अपना उद्देश्य बताते हुए कहा कि, जिस तरह से ईश्वर ने मेरी दुनिया में रंग भरे हैं, मैं चाहता हूँ कि, मेरे इस दुनिया से जाने के बाद किसी और की दुनिया भी रंगीन हो और यह संदेश लोगों में जा सके। विवाह उत्सव में जहां समाज के सभी लोग इकट्ठे होते हैं, मैंने यह नेत्रदान संकल्प शिविर और सपत्निक स्वयं के नेत्रदान संकल्प का निर्णय लिया।

देर रात तक विवाह समारोह में 230 व्यक्तियों ने नेत्रदान के संकल्प पत्र भरे। ज्यादातर लोग नेत्रदान के बारे में जानते थे, पर संकल्प भरने का मौका इस विवाह समारोह में ही संभव हुआ। राठौर समाज के सभी पदाधिकारियों ने सोनू जी के इस प्रयास की खूब सराहना की।

डॉ. कुलवंत गौड़
प्रभारी, बूंदी, बारां, झालावाड़ चेप्टर

राजस्थान नेत्र ज्योति
अक्टूबर 2022 - मार्च, 2023

नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम दौसा में पहुंचा

कम्यूनिटी आउटरीच प्रोग्राम का अब तक का सफर और सफलता

आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान अपने स्थापना वर्ष 2002 से लेकर अब तक की 21 वर्ष की यात्रा में निरंतर नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर होता रहा है । सोसाइटी द्वारा अब तक 19000 कॉर्निया एकत्रित कर 12250 व्यक्तियों को कोर्निया ट्रांसप्लांट करके उनके जीवन में रोशनी लाने का प्रयास किया है। यही वजह है कि सामाजिक सरोकार से संबंधित इन प्रयासों एवं उपलब्धियों से प्रभावित होकर समाज सेवा के क्षेत्र में सहयोग देने में अग्रणी भूमिका अदा करने वाले, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन ने सोसाइटी को 3 वर्ष के लिए नेत्रदान के कार्यों के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के लिए वित्तीय सहयोग प्रदान किया है।

नेत्रदान जागरूकता का विस्तार ग्रामीण समुदाय तक पहुंचाने के लिए फाउंडेशन के (कम्युनिटी आउटरीच प्रोग्राम) कार्यक्रम के अंतर्गत दौसा जिले का चयन किया गया है । इस कार्यक्रम के तहत दौसा जिले में विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में नेत्रदान के लिए जनचेतना जागृत करने हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि दौसा जिला कार्नियल ब्लाइंडनेस मुक्त हो सके। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत लोगों तक अपनी बात पहुंचाने के लिए आई बैंक सोसाइटी इस क्षेत्र के सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं, राजकीय कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों, पंचायत समिति की बैठकों, विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों में वर्ष भर भाग लेकर जन-जन तक नेत्रदान का संदेश पहुंचाएगा।

नेत्रदान की जरूरत एवं इस कार्य में उनकी सहभागिता कैसे संभव हो सकती है, इस पर प्रमुख रूप से चर्चा करते हुए नेत्रदान की संपूर्ण प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी । इसके साथ ही उनके मन की भ्रांतियों को भी दूर किया जाएगा। इसके लिए दौसा के नजदीक के गांव में छोटे-छोटे समूह में जाकर लोगों से बात करने का प्रयास किया जाएगा प्रारंभिक में नेत्रदान क्या और कैसे कांसेप्ट का परिचय उन्हें दिया जा रहा है।

श्री पवन राजोरिया इस कार्यक्रम के इंचार्ज के रूप मे दौसा में नियुक्त किए गए हैं। वे स्थानीय व्यक्ति होने के कारण उन्हें जिले की समझ बनाने में समय व्यर्थ नहीं गंवाना पड़ा और मार्च में ही उन्होंने कार्य प्रारंभ कर दिया।

दिनांक 3 मार्च, 2023 को सरस्वती नर्सिंग कॉलेज दौसा में नर्सिंग ट्रेनीज के लिए नेत्रदान क्यों और कैसे पर चर्चा रखी गई जिसमें लगभग 80 विद्यार्थियों ने उस कार्यशाला में भाग लिया। नर्सिंग की पढ़ाई करते हुए भी नेत्रदान को लेकर उनके मन की भ्रांतियां को दूर किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिनांक 8 मार्च, 23 को सीनियर सेकंडरी विद्यालय खेरली, दौसा में कक्षा के बड़े बच्चों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के साथ एक कार्यशाला का आयोजन किया गया इसमें लगभग 70 सदस्यों ने भाग लिया। उन्हें नेत्रदान के बारे में बताया गया कि यदि आपके आसपास किसी की भी मृत्यु हो जाए तो आप नेत्रदान करने के लिए परिवार को प्रेरित करके दान में प्राप्त कॉर्निया दृष्टिहीन व्यक्तिया को लगाकर उनके जीवन में रोशनी लाने में मददगार बन सकते हैं।

दौसा में कम्युनिटी आउटरीच कार्यक्रम के तहत दो और

कार्यक्रम आयोजित किए गए।

दिनांक 21 मार्च, 2023 को कल्प संस्था के साथ मिलकर एक हेल्थ चेक-अप कैंप बापी इंडस्ट्रियल एरिया, दौसा में रखा गया, जिसमें ईबीएसआर की तरफ से आई डोनेशन अवेयरनेस के तहत कार्य किया गया ।इस दौरान लगभग 500 ग्रामवासी वहां आए थे जिनमें 135 व्यक्तियों के आंखों का चेकअप किया गया। 38 व्यक्ति कैटरेक्ट पीड़ित, दो व्यक्ति कॉर्निया की तकलीफ से ग्रस्त एवं शेष कमजोर दृष्टि वाले लोगों की पहचान की गई। उन्हें आगे क्या करना है इसकी जानकारी भी दी गई। वहां के सरपंच एवं सभी उपस्थित लोगों के साथ में नेत्रदान के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। कुछ लोगों के बड़े सकारात्मक विचार भी सामने आए। इस कैंप में जयपुर से आई बैंक सोसायटी की ओर से श्रीमती उषा बापना, श्रीमती रुचि भंडारी तथा श्री रामदयाल ने भाग लिया।

दूसरा कार्यक्रम 25 मार्च, 2023 को दौसा शहर में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सामाजिक युवा संगठन संस्थान (एसवाईएसएस)के सौजन्य से कंप्यूटर ट्रेनिंग एवं इंग्लिश स्पीकिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही लगभग 30 छात्राओं के साथ नेत्रदान की जानकारी साझा की गई। ये सभी छात्राएं अपने कॉलेज शिक्षा के साथ-साथ यह प्रशिक्षण भी प्राप्त कर रही थी।

गांव में कुछ स्थान ऐसे होते हैं जहां पर लोग इकट्ठे होकर परिवारिक एवं व्यापार की बातें साझा करते हैं। दिनांक 15 मार्च एवं 4 अप्रैल को भण्डाना एवं पापड़दा में श्री पवन राजोरिया ने दोपहर के समय वहां पहुंचकर छोटे-छोटे समूह में नेत्रदान के महत्व एवं इस कार्य में वे कैसे सहयोगी बन सकते हैं, उन्हें स्थानीय भाषा में अपनी बात समझाने की कोशिश की। कुछ प्रिंटेड सामग्री भी उनको पढ़ने के लिए दिया गया, जिससे वे उस सामग्री को अपने परिवार जन एवं मित्रों के साथ भी साझा कर सकते हैं। यह थोड़े थोड़े प्रयास इसी उद्देश्य से किए जा रहे हैं कि जन-जन तक नेत्रदान की बात पहुंचाई जा सके।

नेत्रदान करें, पुण्य कमायें

उषा बापना
कार्यक्रम प्रभारी, संयुक्त सचिव
ईबीएसआर

फार्म–1
(नियम 3 देखिये)
राजस्थान नेत्र ज्योति

	समाचार पत्रिका का नाम	:	राजस्थान नेत्र ज्योति
	समाचार पत्रिका की भाषा	:	हिन्दी
	प्रकाशन का स्थान	:	जयपुर
	प्रकाशन की अवधि	:	त्रैमासिक
	मुद्रक का नाम	:	निर्मल गोयल
	क्या भारतीय नागरिक है	:	हाँ
	(यदि विदेशी हैं तो मूल देश)	:	नहीं
	पता प्रेस	:	पॉपुलर प्रिन्टर्स, फतेह टीबा मार्ग, मोती डूंगरी रोड, जयपुर
6.	प्रकाशक का नाम	:	ललित पी. कोठारी
	क्या भारतीय नागरिक है	:	हाँ
	(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	नहीं
	पता	:	1, सरदार पटेल मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर
7.	सम्पादक का नाम	:	लक्ष्मण बोलिया
	क्या भारतीय नागरिक है	:	हाँ
	(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	नहीं
	पता	:	508, रानीसती नगर, अजमेर रोड, जयपुर

8. उन व्यक्तियों के नाम व पता जो समाचार-पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या रिश्तेदार हों।
आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान

मैं, ललित जी कोठारी एतद्द्वारा घोषणा करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिया गया विवरण सत्य है।
ललित पी. कोठारी

ANNUAL REPORT OF THE EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN FOR THE YEAR 2021-22

- Lalit P. Kothari,
Secretary, EBSR

Covid19 pandemic which started in March 2020, continued to adversely impact our activities this year also, although its intensity was comparatively less. Due to substantial number of Covid19 cases, our activities were completely stopped during the months of May and June 2021. During the remaining period also, there were substantial number of Covid19 cases. However special efforts were made by field staff under guidance of Board and supervisory staff for achievements so that the adverse impact of Covid19 pandemic is minimised. We took various measures successfully to cope up with this difficult situation and also many new initiatives.

1. New Initiatives:

(a) **Tissue Digitalization Software:** Presently all documents from notification of death of a person till cornea is transplanted on a corneal blind person, are filled manually. For complete digitisation of the process, a software is being developed which will be partly web based and partly mobile application based. This will not also facilitate the submission of information but also its storage, compilation, retrieval and analysis.

(b) **Donor Data analysis:** We have 20 years data for cornea management process. The data are contained in manual forms and have wealth of useful information which has not been analysed so far. We are analysing the data for two years on various parameters. Analysis will help us to focus out awareness programmes and also bring improvement in cornea collections.

(c) **EBSR New website:** Our existing website was prepared long back and was not user friendly. It was therefore decided to redevelop the existing website using latest technology, platform and software. It is now more user friendly. Its contents have been also modified to make it useful for the viewers.

2. Progress 2021-22 - Cornea Collections - HCRP & Voluntary: In Hospital Cornea Retrieval Programme (HCRP), our counsellor contacts the family members of the deceased person to obtain consent for cornea retrieval. In voluntary collections, family members of the deceased person have already decided to donate eyes and contact EBSR for cornea retrieval. In hospitals, due to substantial number of deaths at a single place, with lesser efforts, more corneas could be collected and that too of better quality. Therefore, our focus is on collection of corneas from HCRP. Despite prevalence of the pandemic, field technicians did their best to increase cornea collections. Cornea transplants increased by 50% over the previous year transplants. Following table gives information about HCRP & Voluntary collections and transplants during last three years:

	2019-20	2020-21	2021-22
HCRP Collections	1580	832	948
Voluntary Collections	506	60	528
Total Collections	2086	892	1476
HCRP Transplants	1084	682	711
Voluntary Transplants	189	29	334
Total Transplants	1273	711	1045
HCRP Utilisation Rate	68%	81%	75%
Voluntary Utilisation Rate	37%	48%	63%
Overall Utilisation rate	61%	80%	71%

3. **Cornea Distribution:** Whatsapp groups of Keratoplasty surgeons have been formed. Availability of cornea is flashed on whatsapp and cornea is allotted on first come first serve basis in a transparent manner. If there is no demand of corneas then they are sent outside the state through Central Distribution System (CDS) so that not a single transplantable remain unutilised. Following table depicts the distribution of corneas for transplant from the last three years:

Distribution of Corneas	2019-20		2020-21		2021-22	
	Actual	%	Actual	%	Actual	%
Government Hospitals & Charitable Institutions	675	53%	175	22%	402	38%
Private Hospitals	242	19%	158	25%	186	18%
CDS	356	28%	378	53%	457	44%
Total	1273	100%	711	100%	1045	100%

Incentive Scheme: To motivate the staff, the system of performance-based salary was announced from 1st January 2021 which had provision for incentivising good performance. In case of good performance, ex gratia amount was sanctioned to employees other than field technicians. All these measures had positive impact on morale of the staff and our performance has shown promising trends. We distributed Rs. 3.94 lakhs as incentive.

Awareness and Publicity: Awareness is key to spread the message about Eye donation so that more people come forward for eye donation. Moreover, there are still apprehensions amongst public about eye donation. This is adversely affecting cornea collections. Therefore, the Society organises awareness programmes regularly. Publicity materials are distributed. Banners and posters are also put up at vantage points for wider publicity.

Annual National Awareness Building Fortnight Programme: A highly participative awareness fortnight was organized from 25th August 2021 to 8th September 2021. In Jaipur, 25 programmes were organized, out of which only 10 were held on virtual media. Following major activities were organised during the fortnight:

(a) We organised an international Webinar "Eye Donation- Discussions". We also participated in the International Webinar "Eye Banking and Corneal Surgery: How the International Experts are Planning" organised by The Eye Bank Association of India.

(b) Eye Donation Awareness Webinar was organised in Rajasthan Police Academy, Jaipur.

(c) Awareness Programmes were organised in SMS Hospital, Kanwatia Hospital, Meera Girls College and SMS Nursing College. Online Eye Donation Awareness programmes were organised in Khandelwal Vaishya Girls Institute of Technology and JECRC.

7. **Chapters:** Some important activities of chapters during awareness fortnight 2021 are given below:

(a) Ajmer Chapter organised Eye Donation awareness Programme" for Rajasthan Police Training Centre, Kishangarh, Ajmer. Poster competition on eye donation was organised in JLN hospital.

(b) Udaipur Chapter organised motivational programmes on eye donation during in a religious gathering and Asha Dham Aashram. Radio talks on All India Radio and FM radio were organised on eye donation. A quiz on eye donation was organised in RNT Medical College.

(c) Jodhpur Eye Collection Centre organised "Asha Ki Kiran -Eye Donation Motivation Programme" for Rajasthan Police Training Centre, Jodhpur in their stadium.

8. **New Campus:** Building plans for construction of new building in Jaipur Calgary Charitable Eye Hospital and Research Centre (JECH) premises were approved by the Executive Committee on 16th September 2021. The JECH submitted the building plans on 18th January 2022 for approval to the Jaipur Development Authority. The approval of the building plans is awaited from the JDA.

9. **Accreditation:** Our Society is very conscious of quality in its functioning. The Sight Life International, USA based agency globally certifies Eye Bank operations. Due to Covid19 pandemic, Sight Life conducted online audit of the Society for our accreditation. Sight Life has issued Accreditation Certificate for two years which is valid up to 31st January 2024. This certifies that our laboratory and cornea procedures meet international standards.

EYE DONATION AWARENESS PROGRAM IN RAJASTHAN SCHOOL OF ARTS

On March 24, 2023, an Eye Donation Awareness Program was conducted at Rajasthan School of Arts under the NSS Program. The program was attended by 50 students along with staff members. Ms. Deepali Bhargav and Sudershana Shekhawat, senior managers, presented their PPT and a short movie on eye donation. The program started with the presentation of PPT on eye donation by Ms. Deepali Bhargav, which highlighted the importance of eye donation and the need for creating awareness about it. The presentation covered various aspects of eye donation such as the process of eye donation, myths and facts related to eye donation, and the impact of eye donation on society.Following the presentation, a short movie on eye donation was also shown to the participants. The movie depicted the life-changing impact of eye donation on the lives of the visually impaired and highlighted the need for eye donation. After the presentation and movie, the participants were given the opportunity to ask questions and clarify their doubts regarding eye donation. The students were excited and asked a lot of questions, which were satisfactorily answered by the presenters. The college management assured that in the future, they would conduct such programs on a larger scale so that all students could be aware and benefited. The Eye Donation Awareness Program was successful in creating awareness among the students and staff members about the importance of eye donation, and it is hoped that it will encourage more people to come forward and donate their eyes to the visually impaired.

-Sudarshana Shekhawat
Sr. Manager, EBSR

COMMUNICATION WITH RECIPIENTS AND DONORS

-Mrs. Anju Jain

Since inception in 2002, Eye Bank Society of Rajasthan is doing full scale efforts to spread awareness in the society to get more and more response and support for corneal donation, to eradicate corneal blindness from the society. EBSR is a community Eye Bank and we thrive solely on the grants rendered by the philanthropists and the Institutions. The society is immensely grateful to the donor families who step forward to donate the eyes of their near and dear ones. Also our organisation considers it's responsibility to help and take the feedback from the corneal recipients.

digital age and all of us are net dly. WhatsApp has indeed ed to be one of the most ective channels of munication. It is more sonal, engaging, and venient than any other form. A survey says, 90% of the atsApp messages are either en from notifications" or read thin 3 seconds of being livered. The society took a cision in January 2022 to form ee WhatsApp groups to be in uch with the corneal recipients d the donor families.

roup of Corneal Recipients
(नई रोशनी ग्रुप)

Approximately, 50% of the cornea collected by EBSR are supplied free of cost to the Govt Hospitals. We maintain a database of the patients who undergo keratoplasty in these hospitals.

There is a huge divergence among the people coming here for keratoplasty and those going to the private hospitals. There are few keratoplasty surgeons in the government hospitals and the proportion of the patients is huge. The people coming here are poor, not well educated and less aware. Though the doctors and the staff take enough care and explain them emphatically about the line of treatment, the precautions after the surgery and the importance of regular follow ups, but at times being the sole bread earners of the family haste in resuming the work and forget to go for regular check-ups. Women are much less cared for, being busy mostly with the household chores.

The members of the group are instructed to follow the necessary precautions and reminded to never miss the follow up of treatment.

A Fact Sheet of Do's and Don'ts post keratoplasty has been prepared, which is sent on the groups off and on. Whenever there is a doubt, they ask on the group and we respond to them in a disciplined manner. Periodically, a video message from a well known keratoplasty surgeon is also shared, (regarding after care and general queries post operation) in the group, which is very inspiring.

It's the most interactive group. The patients share their progress during the tenure of the treatment, which is very heartening for us.

It gives us a great satisfaction in helping these beneficiaries. They are very humble and grateful to us and vice versa.

Eye Donor Families
(नेत्रदानी परिवार)

This is a group of the proud donor families, whose family members have donated their eyes, thus making our mission meaningful. Upon eye donation, EBSR gives each one a certificate and their picture is shared on the group.

We also publicise programs of Eye Donation at different places in this group ,thus boosting a message to donate eyes to the public.

The society is hugely indebted to the donor families and the felicitation program of honouring the donor families are held by the different EBSR chapters and mementos and certificates are given to them by the distinguished personalities of the society in a grand function.

Financial Donors
(भामाशाह ग्रुप)

EBSR is a community Eye Bank and our survival is dependent upon the grants given by philanthropists and CSR.

Our organization stands tall with its extraordinary achievements and is amongst the topmost eye banks of the country, thus we are immensely grateful to the people and the organisations/companies who help in our sustenance.

On all our Groups, we share our programs, future plans, collaborations (if any) and achievements and are more than willing to take their suggestions and feedback.

Some members of the groups are very interactive and are keen in putting their best foot forward in helping for such social causes and we are more than willing to make them the JYOTI MITRA, i.e. our friends and ambassadors who spread awareness about Eye donation and activities of our Eye Bank in the Society. Our Helpline numbers are regularly shared on these groups and other Social media platforms.

राजस्थान नेत्र ज्योति
अक्टूबर 2022 – मार्च, 2023

पहुंचने लगा है– जन–जन तक नेत्रदान का सन्देश

वर्ष 2022 में बहुत सारे कार्यक्रम समाज के सभी वर्गों तक नेत्रदान की महत्ता एवं वर्तमान में नेत्र ज्योति के लिए प्रतीक्षारत लोगों के बारे में जानकारी पहुंचाने हेतु अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। नेत्रदान कौन, कैसे, कब कर सकता है, नेत्रदान के प्रति लोगों में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने तथा अधिकाधिक मृत्यु पश्चात नेत्रदान के लिए जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम पखवाड़े के दौरान आयोजित किए गए। यह एक शुरुआत थी ,किंतु वर्ष भर इस प्रकार लोगों तक अपनी बात निरंतर पहुंचाने एवं प्रेरित करने के लिए विभिन्न संस्थाओं एवं विभागों के साथ सहयोग प्राप्त हो इस संबंध में अनेक फोलो -अप कार्य संपादित किए गए हैं ,जिनका विवरण इस प्रकार है।

मेडिको लीगल केसेस में मृत व्यक्ति के नेत्रदान में पुलिस विभाग से निरंतर सहयोग मिलता रहा है ।अस्पताल में मोर्चरी से काफी ज्यादा संख्या में अच्छी गुणवत्ता वाले कॉर्निया प्राप्त होते रहे हैं। इन प्रकरणों में सामान्यतया पोस्टमार्टम एवं पंचनामा के बाद ही कॉर्निया निकालने की अनुमति प्रदान की की जाती थी किंतु कुछ समय पूर्व पुलिस विभाग द्वारा यह आदेश जारी किया गया कि जहां कॉर्निया निकालने से पोस्टमार्टम एवं पंचनामें पर विपरीत प्रभाव नहीं पडने पर पहले भी कॉर्निया निकालने की अनुमति दी जा सकती है।

[illegible] दिसंबर, 2022 को एक बहुत ही सहयोगी परिपत्र [illegible]निदेशक, पुलिस अपराध शाखा, राजस्थान द्वारा जारी [illegible] देरी से समय बचाने के लिए अस्पताल के क्षेत्राधिकार [illegible] थाने द्वारा भी पंचनामा की कार्यवाही की जाए एवं [illegible] के नाते परामर्शदाता तथा मृतक के परिजन के मध्य [illegible] स्थापित करने में सहयोग किया जाए। यह आदेश [illegible] करने में मील का पत्थर साबित होगा। यह आदेश श्री [illegible] पूर्व पुलिस महानिदेशक, राजस्थान, उपाध्यक्ष ईबीएसआर [illegible] ही जारी हो सका है।

[illegible] पखवाड़े के दौरान विभिन्न शैक्षिक संस्थानों में युवा [illegible]नेत्रदान के प्रति जागरूकता पैदा करने एवं यह संदेश अधिक [illegible] लोगों तक पहुंच सके इसके लिए अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। वर्ष भर इस प्रकार के आयोजन होते रहें, इसके लिए आयुक्त, कॉलेज शिक्षा ने आई बैंक सोसायटी के अनुरोध पर राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम के अंतर्गत होने वाले शिविरों में राजकीय एवं निजी महाविद्यालयों को नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने हेतु परिपत्र जारी किया है। इसके लिए कॉलेजों से निरंतर फोन आ रहे हैं । सभी चैप्टर्स के अधिकारियों से अनुरोध है कि अपने क्षेत्र के महाविद्यालयों से संपर्क कर नेत्रदान पर वार्ता का आयोजन करावे। साथ ही इस प्रकार के सभी कार्यक्रमों में आई बैंक द्वारा तैयार की गई पी पी टी एवं परिचयात्मक लघु फिल्म जो सभी चेप्टर्स को उपलब्ध करा दी गई है, का भी उपयोग करें। राज्य कार्यालय के स्तर पर ऑनलाइन भी यह कार्य किया जा रहा है। अभी हाल ही में एनएसएस कोऑर्डिनेटर कॉलेज निदेशालय से संपर्क कर उनके इस कार्य के लिए आभार प्रदर्शित करते हुए भविष्य में आयोजित होने वाले एनएसएस कोऑर्डिनेटरस की वर्कशॉप में आई बैंक के लोगों को आमंत्रित करने का अनुरोध किया गया। इसमें आई बैंक सोसायटी की कार्यसमिति की सदस्य सुश्री दिपाली भार्गव का बहुत सहयोग रहा है।

पुलिस ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट्स में समय-समय पर प्रशिक्षणार्थियों के लिए नेत्रदान के महत्व पर वार्ता का आयोजन हम निरंतर करते रहे हैं। दिनांक 6/10/22 को अतिरिक्त महानिदेशक, पुलिस (प्रशिक्षण) राजस्थान जयपुर ने एक आदेश जारी कर समस्त पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों में आयोजित होने वाले प्रारंभिक प्रशिक्षण, पीसीसी एवं विशिष्ट प्रशिक्षण में नेत्रदान विषय को सम्मिलित किया जाने हेतु एक आदेश जारी किया है, जिससे पुलिस कर्मचारियों को नेत्रदान में अधिक से अधिक सक्रिय रूप से मदद के लिए प्रेरणा मिल सके।

डॉ. माया टंडन की संस्था 'सहयोग' द्वारा उनके नेतृत्व में स्वयं आगे आकर हमारे नेत्रदान कार्य में सहयोग की पेशकश की गई है ।उनके द्वारा नेशनल हाईवे पर स्थित पुलिस थानों के पुलिसकर्मियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, सीएलजी सदस्यों को सड़क दुर्घटना में मृत्यु दर कम करने के लिए आयोजित होने वाले प्रशिक्षण के दौरान यदि समस्त प्रयासों के बाद भी व्यक्ति को बचाया नहीं जा सके तो मृत्यु पश्चात नेत्रदान के लिए प्रेरित करने का कार्य उनके स्तर पर किया जाएगा। उनके द्वारा आयोजित होने वाले थानों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी हमारे कार्यालय को भी नियमित रूप से दी जाएगी जिससे उन थानों में फॉलोअप का कार्य किया जा सके।

दिनांक 20 .11. 2022 को एन एस एस का कैंप बिट्स पिलानी में भी आयोजित किया गया जिसमें हमारे सदस्य श्री आत्माराम सिंघल एवं श्री गोविंद गुरबानी ने भाग लिया।

सत्य साईं गर्ल्स कॉलेज जयपुर, ईश्वरम्मा शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, जयपुर, गीता बजाज शिक्षक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में भी शिक्षार्थी एवं शिक्षकों को नेत्रदान के प्रति जागरूक करने हेतु अक्टूबर एवं नवंबर, 2022 में सुश्री कमल पानगड़िया एवं कर्नल लोकेश शुक्ला द्वारा वहां उपस्थित होकर जानकारी दी गई।

कल्प संस्था द्वारा आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर निवाई जिला टोंक एवं महुआ जिला दौसा में भाग लेकर ग्रामीण समुदाय में नेत्रदान की आवश्यकता, उनके सहयोग एवं व्याप्त भ्रांतियों के बारे में श्री सौरभ कंसल ने जानकारी दी।

उषा बापना
संयुक्त सचिव

नेत्रदान दाता प्रचीर का निर्माण

पूज्य पंचायत सिंधी कॉलोनी, बनीपार्क संस्था की ओर से स्थानीय पार्क में नेत्रदान दाता प्रचीर का निर्माण कराया गया। आई बैंक सोसाइटी ऑफ. राजस्थान के सहयोग से बनाई गई इस दीवार पर नेत्रदान करने वालों के नाम लिखे गए हैं। इसका उद्घाटन 12 फरवरी, 2023 को आई बैंक के अध्यक्ष श्री बी. एल. शर्मा, श्री अशोक भंडारी, श्री गोविन्द गुरबानी, श्री रवि कामरा, श्रीमती अंजु जैन, सुश्री सुदर्शना शेखावत, श्री सुरेश [illegible] सहित अन्य अतिथियों ने किया।

आई बैंक सोसायटी की नई कार्य समिति

कुर्सी पर बैठे हुए –श्री कपिल गर्ग - पूर्व डी.जी. राजस्थान पुलिस, उपाध्यक्ष, श्री वी.सी. सचेती (पूर्व आईएफएस) - उपाध्यक्ष, श्री बी.एल. शर्मा, (पूर्व आईएएस) - अध्यक्ष, श्री ललित पी. कोठारी - (पूर्व आईएएस) सचिव, श्री हनुमानप्रसाद शर्मा पूर्व लेखाधिकारी, कोषाध्यक्ष।
(खड़े हुए) –श्री लक्ष्मण बोलिया, पूर्व अतिरिक्त निदेशक जनसम्पर्क, श्रीमती उषा बापना, पूर्व अतिरिक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा, संयुक्त सचिव, सदस्य कार्य समिति - श्रीमती सोनू जैन - सामाजिक कार्यकर्ता, सुश्री कमल पानगड़िया, पूर्व प्रिंसिपल स्कूल शिक्षा, श्रीमती अंजु जैन, सामाजिक कार्यकर्ता, श्री ए. आर. सिंघल, मैनेजर आरबीआई। **अनुपस्थित :** श्री गोविन्द गुरबानी - कन्सलटेंट, कर्नल एल.पी. शुक्ला पूर्व आर्मी ऑफिसर।

दान में प्राप्त कार्निया

राजस्थान के विभिन्न शहरों से परोपकारी परिवारों ने समिति को अपने मृतक परिजनों के कॉर्निया दान करने व दृष्टिबाधितों को नया जीवन देकर उपकार करने का पुण्य कार्य किया है। दान में प्राप्त कॉर्निया की संख्या में हुई प्रगति की जानकारी हम नेत्र ज्योति के पूर्व अंकों में नियमित रूप से प्रकाशित करते रहे हैं। अक्टूबर 2022 से मार्च 2023 तक समिति के जयपुर मुख्यालय एवं चैप्टर्स से संयुक्त रूप से1575 दान में प्राप्त हुए हैं। कॉर्निया का मासिक विवरण निम्न प्रकार है :–

दान में प्राप्त कॉर्निया

माह	कॉर्निया संग्रहण	कॉर्निया प्रत्यारोपण	प्रत्यारोपण उपयोगिता दर
अक्टूबर, 2022	220	133	60%
नवम्बर, 2022	306	208	68%
दिसम्बर, 2022	269	160	59%
जनवरी, 2023	291	183	62.89%
फरवरी, 2023	235	156	66.38%
मार्च, 2023	254	175	68.90%
कुल संख्या	1575	1015	64.44%

FINANCIAL DONORS (1.10.2022 to 31.3.2023)

1	M/s Shriram General Insurance Pvt. Ltd.	500000
2	Sh. Rakesh Chopra	101000
3	Utthan Charitable Trust, Jaipur	100000
4	Shri B.L Sharma	51000
5	Sh. Rajendra Singh Bhandari	25000
6	Sh. Shimla Bhandari	25000
7	Sh. Brigadier Kuldeep Chokkar	25000
8	Smt. Usha Bapna	21000
9	Sh. Apoorva Vig	21000
10	Sh. Hari Shankar Sharma	21000
11	Smt. Anita Vaidya	21000
12	Smt. Maya Tandon	20000
13	Sh. Nagendra Kumar jain	20000
14	Smt. Alka Kala	15000
15	Sh. Laxman Bolia	11111
16	Sh. Suraj Raj Mehta	11000
17	Sh. Kranti Kumar Bakiwala	10000
18	Shri Ram Sharan Tambi	10000
19	Lt. Col C P Verma	10000
20	Kamal Developers Pvt. Ltd.	7000
21	Sh.C L Dua	5100
22	Smt. Anjana S Mathur	5000
23	Sh. Ishwar Chandra Shrivastava	5000
24	Sh N C Dandia	5000
25	Homes For Orphans	5000
26	Sh. Ashok Kumar Bhandari	5000
27	Smt. Kamla Mehta	5000
28	Management Development Academy	2500
29	Sh Dinesh Arora	2100
30	Smt Mridula Dugar	2000
31	Sh Ramesh K. Arora	1500
	Total	**1068311**

अक्टूबर, 2022 से मार्च, 2023 तक के कार्निया दानदाताओं की सूची

अक्टूबर 2022

1. शांति देवी, जयपुर
2. रेखा जैन, अजमेर
3. प्रदीप ठाकुर, कोटा
4. सोहनी देवी, जयपुर
5. लीलाराम, जयपुर
6. अंकित कुमार मीणा, जयपुर
7. प्रकाश, जयपुर
8. रागिनी सुनालिया, जयपुर
9. कुसुम कुमावत, जयपुर
10. कैलाश देवी पिपलानी, कोटा
11. उत्तम चन्द मेहता, पाली
12. उषा शर्मा, जयपुर
13. जगदीश धानका, जयपुर
14. मोना देवी, जयपुर
15. प्रेम शंकर शर्मा, जयपुर
16. रमे[illegible] मीणा, जयपुर
17. मो[illegible] सिंह रावत, अजमेर
18. [illegible]यारी बिरला, जोधपुर
19. [illegible] मेहता, जोधपुर
20. [illegible] मीणा, जयपुर
21. [illegible] प्रजापत, जयपुर
22. [illegible] जैन, जयपुर
23. [illegible]कुमार दयानी, जयपुर
24. [illegible]सी, जयपुर
25. [illegible]वर, जयपुर
26. [illegible] जयपुर
27. [illegible]कुमार आहोनिया, अजमेर
28. [illegible] मलकानी, अजमेर
29. [illegible] अग्रवाल, अजमेर
30. [illegible] बाई सुराना, बीबीजे
31. [illegible] देवी गोयल, कोटा
32. [illegible]ला देवी, जयपुर
33. [illegible]वतार, जयपुर
34. [illegible]हित सेन, जयपुर
35. [illegible]सी देवी, जयपुर
36. [illegible] लोढ़ा, जयपुर
37. [illegible]पाल शर्मा, जयपुर
38. खेमचन्द वासवानी, कोटा
39. मोहिनी देवी, अजमेर
40. गोपीचन्द बंसल, अजमेर
41. आयुष कुमार मेघवाल, अजमेर
42. शंकर शाह (राठी), जोधपुर
43. रघुनाथ दास, कोटा
44. सौरभ शर्मा, जयपुर
45. फरन्ता, जयपुर
46. लक्ष्मी देवी, जयपुर
47. सूरज कंवर भंसाली, जोधपुर
48. ललित शर्मा, जयपुर
49. राजेश कुमार अतुल, जयपुर
50. नवीन कुमार जांगिड़, जयपुर
51. भागचन्द जैन, भीलवाड़ा
52. राधा मोहन शर्मा, जयपुर
53. रामजी लाल बैरवा, जयपुर
54. प्रेम चन्द्र झांब, जयपुर
55. शारदा देवी, कोटा
56. गिरीजा देवी, भीलवाड़ा
57. बिरदी चन्द रैगर, जयपुर
58. मूर्ति देवी, जयपुर
59. जगन सिंह, जयपुर
60. रामावतार शर्मा, कोटा
61. नितिन शर्मा, जयपुर
62. राहुल शर्मा, जयपुर
63. शिव कुमार शर्मा, जयपुर
64. रेशमा देवी, जयपुर
65. राहुल चौधरी, जयपुर
66. अनार देवी, जयपुर
67. सविता भार्गव, जयपुर
68. मनीष शर्मा, जयपुर
69. अरुण कुमार जैन, जयपुर
70. राधेश्याम लोढ़ा, जोधपुर
71. सुभाष अजमेरा, जयपुर
72. स्नेहलता दलाल, उदयपुर
73. सुनिल कुमार, जयपुर
74. संतोष शर्मा, जयपुर
75. लक्ष्मीनारायण मीणा, जयपुर
76. गजानंद मीणा, जयपुर
77. विनोद भावरिया, जयपुर
78. सुखवीर सिंह, जयपुर
79. राजकुमारी सुनेजा, कोटा
80. नेहा कुमारी, जयपुर
81. मोहनलाल शर्मा, जयपुर
82. जगदीश मौर्य, जयपुर
83. मुकेश सैनी, जयपुर
84. विद्या देवी, जयपुर
85. गीता देवी, जयपुर
86. इंदर सिंह, जयपुर
87. भागवत सिंह, भीलवाड़ा
88. राजकुमार काला, जयपुर
89. गिरिजा बाई, जयपुर
90. सूरज करण, कोटा
91. कल्पना जैन, कोटा
92. भागोती देवी, जयपुर
93. पुष्पा देवी, पाली
94. डाली चन्द, जोधपुर
95. नीलम सचदेवा, अजमेर
96. देवकी सोनी, कोटा
97. हन्वतबीर सिंह, कोटा
98. सूरज देवी शर्मा, अजमेर
99. गोकुल, जयपुर
100. सामंती देवी, जयपुर
101. नर्वदा लखेरा, पाली
102. चेतराम प्रजापत, जयपुर
103. प्रताप कुमार, जयपुर
104. महेन्द्र पाल जैन, जयपुर
105. जयेश राठी, जोधपुर
106. पारस मल चौपड़ा, जोधपुर
107. दक्ष पटेल, जयपुर
108. अतुल गनेरीवाल, जयपुर
109. संतोष जैन, कोटा
110. तारा बेन दोसी, कोटा
111. आशीष बैरवा, जयपुर
112. शीला देवी, जयपुर

नवम्बर, 2022

1. नबी हसन, जयपुर
2. सविता शर्मा, जयपुर
3. धनवंती देवी, जयपुर
4. दामोदर सोढानी, जयपुर
5. हरगेव गुवालानी, कोटा
6. शांति लाल सुराणा, जयपुर
7. प्रियंका बाई, जयपुर
8. मनु जैन, जयपुर
9. गिरधारी यादव, जयपुर
10. रमेश चन्द्र टेलर, उदयपुर
11. घासीराम मीणा, जयपुर
12. रामस्वरूप, जयपुर

अक्टूबर, 2022 से मार्च, 2023 तक के कार्निया दानदाताओं की सूची

13. लक्ष्मीचन्द जयपुर
14. ज्ञान चन्द कोठारी, अजमेर
15. महेन्द्र कुमार, जयपुर
16. विजेन्द्र कुमार, अजमेर
17. अनिता दवे, कोटा
18. रामस्वरूप, जयपुर
19. मुकेश, जयपुर
20. ईश्वर चन्द, जयपुर
21. गणपत सिंह, जयपुर
22. बन्ने सिंह, जयपुर
23. राजेश कुंदन मल, जयपुर
24. महेश कुमार, जोधपुर
25. माया देवी, जयपुर
26. रजत खन्ना, जयपुर
27. लीलाधर गुप्ता, कोटा
28. इंद्रजीत कौर, कोटा
29. विकास सैनी, जयपुर
30. रामू मीणा, जयपुर
31. अर्जुन लाल बैरवा, जयपुर
32. बिरदी चन्द जोशी, कोटा
33. मनीषा चौधरी, जयपुर
34. लाल चन्द तिलकानी, अजमेर
35. बाबूलाल बैरवा, अजमेर
36. अम्बा लाल, जयपुर
37. ओम प्रकाश, जयपुर
38. कुंज बिहारी, जयपुर
39. कैलाशी देवी, जयपुर
40. शोयराज योगी, बूंदी
41. मोहन लाल, अजमेर
42. फतेह लाल बोहरा, अजमेर
43. कान्ता जायसवानी, कोटा
44. निखिल मीणा, उदयपुर
45. भुवनेश माथुर, जोधपुर
46. बिरदा राम जाट, जयपुर
47. महेन्द्र सिंह, जयपुर
48. अविनाश कुमार, जयपुर
49. बिजेन्द्र वर्मा, जयपुर
50. वाहिद, जयपुर
51. रामकृपाल, जयपुर
52. विष्णु सिंह, जयपुर
53. झूथाराम सैनी, जयपुर
54. कस्तूरी देवी, जयपुर
55. देव सिंह रावत, अजमेर
56. नंदकिशोर प्रजापत, अजमेर
57. भंवरी देवी, जोधपुर
58. अशोक कुमार, कोटा
59. रेखा शर्मा, जयपुर
60. मूलचन्द शर्मा, जयपुर
61. पुरुषोत्तम शर्मा, कोटा
62. मोनू जागा, जयपुर
63. लख्मीराम शर्मा, जयपुर
64. सावित्री देवी, जयपुर
65. हरि सिंह, जयपुर
66. गुणमाला जैन, कोटा
67. मुकुंद दास, जयपुर
68. अजमेरी, जयपुर
69. नवीन सैन, जयपुर
70. सुरेश कुमार, जयपुर
71. विनीत चौधरी, जयपुर
72. तिलक जैन, भीलवाड़ा
73. शांतिलाल जैन, कोटा
74. मदन लाल, जयपुर
75. राम सिंह, जयपुर
76. मोहन सिंह, जयपुर
77. कन्हैया लाल, अजमेर
78. रामप्यारी कपूर, बूंदी
79. पुरुषोत्तम शर्मा, कोटा
80. बिजेन्द्र सिंह भाटी, जयपुर
81. पूरण मल मीणा, जयपुर
82. युधिष्ठिर शर्मा, जयपुर
83. मोहन लाल सेन, जयपुर
84. प्रकाश कंगवानी, भीलवाड़ा
85. सत्यनारायण साहू, अजमेर
86. सुनीता देवी, जयपुर
87. महेश कुमार मीणा, जयपुर
88. पप्पू राणा, जयपुर
89. सिद्धार्थ शर्मा, अजमेर
90. धरनिदार मंत्री, जयपुर
91. इंद्रा जैन, कोटा
92. जितेन्द्र कुमार चंदेलिया, जयपुर
93. ईश्वर लाल महावर, जयपुर
94. संतोष देवी, जयपुर
95. उषा लूणकर, जोधपुर
96. जतिन भाई कांकरिया, जयपुर
97. बोली देवी, अजमेर
98. फूलचन्द जाट, जयपुर
99. संजय कुमार, जयपुर
100. पूनम देवी गुप्ता, जयपुर
101. रामेश्वरी देवी, जयपुर
102. दीपक कुमार, अजमेर
103. छोटी देवी, भीलवाड़ा
104. छोटू लाल सोनी, अजमेर
105. बाबूलाल, जयपुर
106. प्रेम सिंह, जयपुर
107. योगेश कुमार, जयपुर
108. पंकज कुमार, जयपुर
109. चांद बिहारी अग्रवाल, जयपुर
110. सोनू मीणा, जयपुर
111. शकुंतला बोर्डिया, कोटा
112. रामेश्वरी देवी, जयपुर
113. सांवल राम, जयपुर
114. रामजीलाल, जयपुर
115. सुनीता देवी, जयपुर
116. हवा सिंह, जयपुर
117. मालती गैरा, जयपुर
118. पदम आहुजा, अजमेर
119. बुद्धि प्रकाश, जयपुर
120. तुलसी दास पंजवानी, अजमेर
121. कृष्ण गोपाल गुप्ता, कोटा
122. श्याम लता गोलिया, जोधपुर
123. बदाम देवी, जयपुर
124. जय किशन, जयपुर
125. रमेश टॉक, जयपुर
126. पारुल शर्मा, अजमेर
127. कौशल सेठी, जयपुर
128. लाल चन्द सुराणा, जोधपुर

दिसम्बर, 2022

1. राकेश, जयपुर
2. भारत, जयपुर
3. पंकज, जयपुर
4. यशवंत, जयपुर
5. सत्यनारायण अग्रवाल, जयपुर
6. बाबू लाल पंचाल, कोटा
7. रेखा, जयपुर
8. कमलेश, जयपुर
9. बलराम, जयपुर

129. नारायण लाल, राजसमंद
130. धर्म सिंह यादव, अलवर
131. सौरभ सैनी, जयपुर
132. प्रकाश गोड़ा, जयपुर
133. सुनील कुमार शर्मा, अलवर
134. वंशु भैरवा, दौसा
135. पूनम देवी सिंह, धौलपुर
136. पूजा उबाना, अजमेर
137. शरीफ, अजमेर
138. अंकित कुमार लाल, जयपुर
139. कमला देवी, नागौर
140. पिन्टू, अजमेर
141. अर्बन थापा, जयपुर
142. ज्ञान बाई, कोटा
143. माखन राम, कोटा
144. कान्ति देवी जांगिड़, करौली
145. रूपिता मनोज, जयपुर
146. राजेन्द्र कुमार बालोथिया, अजमेर
147. अभिषेक कुमार, अजमेर

फरवरी 2023

1. लाडी बाई सनवाला, भवानी मंडी
2. माटी देवी गुप्ता, कोटा
3. विकास राठौड़, मध्यप्रदेश
4. किशोर सिंह, फिरोजाबाद (यू.पी.)
5. श्वेता शर्मा, जयपुर
6. रामचन्द्र जांगिड़, जयपुर
7. सुशीला देवी, झुंझुनूं
8. आं[illegible] लाल चौधरी, जयपुर
9. रा[illegible]र लाल, झुंझुनूं
10. मी[illegible]वी, अजमेर
11. क[illegible] देवी पालीवाल, कोटा
12. र[illegible]वी, कोटा
13. र[illegible]ार, हनुमानगढ़
14. [illegible]सिंह, नीमकाथाना
15. [illegible]ण्डल, जयपुर
16. [illegible] भण्डारी, जोधपुर
17. [illegible]देवी गुप्ता, कोटा
18. [illegible]त, सीकर
19. [illegible], कोटा
20. [illegible] जैन, कोटा
21. [illegible]रा चन्द्र, भीलवाड़ा
22. [illegible]प्रकाश, सवाईमाधोपुर
23. [illegible] चन्द्र मीणा, अलवर
24. [illegible] कुमार, जयपुर
25. [illegible]पाल अग्रवाल, झालरापाटन
26. प्रदीप कुमार, भरतपुर
27. दीपक कुमार सोनी, टोंक
28. हरिओम, फिरोजाबाद
29. लाली देवी, जोधपुर
30. बद्रीप्रसाद, अजमेर
31. विनिता शर्मा, जयपुर
32. गजेन्द्र योशी, जयपुर
33. पिताराम, नागौर
34. ऋषभ कुमार जैन, अजमेर
35. पुष्पा देवी भण्डारी, अजमेर
36. कान्ता देवी, कोटा
37. डी.के. डाडावत, कोटा
38. लीला देवी अम्बानी, जोधपुर
39. धनवंती देवी, ब्यावर
40. कन्हैयालाल जैन, कोटा
41. विद्याधर, नवलगढ़
42. सुभाष चौधरी, मदनगढ़
43. नमन खण्डेलवाल, पाली
44. हर्ष जैन, उदयपुर
45. राजेन्द्र सिंह, जयपुर
46. मनसराज मीणा, सवाईमाधोपुर
47. मुजीम खां, करौली
48. लोकेन्द्र सिंह, सीकर
49. अमर सिंह, भरतपुर
50. विद्या देवी, अजमेर
51. महेन्द्र सिंह, भीलवाड़ा
52. अशोक गुर्जर, जयपुर
53. सत्यनारायण शर्मा, अजमेर
54. इन्द्र शर्मा, भीलवाड़ा
55. किशन गोपाल काबिर, ब्यावर
56. सुरेश चन्द्र दीक्षित, कोटा
57. सुरेन्द्र जैन, जोधपुर
58. रामदयाल, सवाईमाधोपुर
59. ओमप्रकाश गुप्ता, झालावाड़
60. संजय मेंधा, ब्यावर
61. स्मार्ट शर्मा, जयपुर
62. सुनीता जैन, जयपुर
63. लालवंती भाटी, कोटा
64. ओमप्रकाश तुलस्यान, कोटा
65. राहुल कुमार, हनुमानगढ़
66. केसर देवी, अलवर
67. बबीता, मदनगंज
68. विनोद कोठारी, भीलवाड़ा
69. युवराज भैरवा, ब्यावर
70. मोहर बाई जैन, कोटा
71. कान्हाराम यादव, जयपुर
72. सुरेश, झुंझुनूं
73. शिवानी सैनी, दौसा
74. गंगा सिंह, जयपुर
75. किशन मुशीयन, बिहार
76. नसरीन, भीलवाड़ा (यू.पी.)
77. मधु सिंह, दौसा
78. शैफाली बागवा, जयपुर
79. बाल किशन अग्रवाल, किशनगढ़
80. चतुर्थ अग्रवाल, कोटा
81. मनीष, जयपुर
82. दिलीप, कोटा
83. प्रवीण कुमार, मदनगंज
84. अशोक जाहाबु, कोटा
85. सीताराम बाटरा, पिपलावाड़ी
86. इकबाल, चूरू
87. सुखाराम, नागौर
88. रूपसिंह नरूका, दौसा
89. पूजा देवी, अलवर
90. रामफूल प्रजापत, टोंक
91. भूपेन्द्र सिंह, टोंक
92. शांत कुमार, चिरांना
93. प्रीति माथुर, जयपुर
94. हनुमान सहाय नगर, खातीपुरा
95. विनोद कुमार, नागपुर
96. मामराज, किशनगढ़
97. चमेली, धौलपुर
98. किशनपाल सिंह, भरतपुर
99. रूपचन्द्र कुमार, जयपुर
100. कोमल, अलवर
101. मधु कुमार भाटी, ब्यावर
102. सीता देवी, रामगंजमंडी
103. बी.एम. संदारा, कोटा
104. लवीना, जोधपुर
105. पवन, आगरा
106. मीना देवी सोनी, अलवर
107. विजेन्द्र सिंह, जयपुर
108. जोशा देवी खत्री, जोधपुर
109. गहवर चन्द्र जैन, आगरगढ़
110. सारभाटी देवी सिंघल, भीलवाड़ा
111. हरिराम, अलवर
112. फूल चन्द्र, जयपुर
113. रमेश, अलवर
114. सत्यपाल सिंह अलीगढ़ (यू.पी.)
115. विनोद कुमार नंगवाल, अलवर

INR 5,00 …
Tissue Di… …ution Centre
Record R…

INR 10,… …00
Executiv… …m
Laminar… …n
Pre Cut… …ine Room
Waiting… …ge
Staff C… …a
Evalua… …ab

INR 1… …00
Train… …re
Admi…
Resear… …tre
Recept… …nge
Tissue… …stration area

INR 2… …0
Cornea… …sing Lab
Board…

INR 50,…,000
Conferen… Hall
(Furnish…)

INR 1,00,00,000
One Complete Floor

Sponsorship - You are requested to Sponsor a unit to make our Mission, to give vision to Corneal Blind people Successful. The Concerned Unit witll be named in the Name of Sponsor. Adequate Visibility Will be Provided to All Sponsor/ Donors.

We are looking forward to generous contributions from Organisations, Individuals for this Noble Cause.
Bank Particulars for Donations through RTGS/ NEFT are as follows :

Bank Name : State Bank of India
Acc. No. : 38700274930
Branch : Malviya Nagar Branch, Jaipur, India
IFSC Code : SBIN0006912
Donation by Cheque / Draft to be made in the name of "Eye Bank Society of Rajasthan, Jaipur"

SCAN & PAY

SBI Pay

For More Information Please Contact :

Sh. B. L. Sharma, IAS (Rtd.)
President, 9829055771

Sh. L. P. Kothari, IAS (Rtd.)
Secretary, 9829214013
Email ID : lalitpkothari@gmail.com

Eye Bank Society Of Rajasthan

Mobile Surgical Unit Campus, Moti Doongari Road, Jaipur-302004,
Office Contact: Manager, 8559900955, ebsr_jp@hotmail.com

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

पाठकों से निवेदन

"राजस्थान नेत्र ज्योति के पाठकगण से विनम्र अनुरोध है कि पत्रिका को और अधिक रोचक बनाने हेतु नेत्रदान से सम्बन्धित समाचार, कविता, लेख एवं चित्र इत्यादि भेजकर अपना योगदान करें।"

नेत्रदान करना हुआ अब आसान

नेत्रदान संकल्प के लिए आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान की

वेबसाईट : **www.ebsr.in**

को लॉग इन कर Apply Now पर क्लिक कर नेत्रदान संकल्प पत्र भर कर नेत्रदान कर सकते हैं।

सही समय पर सही फैसला किसी की जिन्दगी रोशन कर सकता है।

नेत्रदान के लिए हमें बस एक कॉल कीजिये।

ONE CALL DOES IT ALL

HELPLINE
18002020388

आइये, नेत्रदान को परिवार की परम्परा बनायें।

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान

मोबाइल सर्जिकल यूनिट कैम्पस, मोती डूंगरी रोड, जयपुर - 302 004

फोन - सचिव : 98292 14013, मैनेजर : 85599 00955, असि. मैनेजर : 85599 00956, 0141-260 4117

E-mail : ebsr_jp@hotmail.com

JAIPUR • UDAIPUR • JODHPUR • AJMER • KOTA • BHILWARA • PALI • ALWAR • BUNDI

स्वत्वाधिकारी आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक, ललित पी. कोठारी द्वारा पॉपुलर प्रिन्टर्स, जयपुर एवं आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, मोबाइल सर्जिकल यूनिट कैम्पस, मोती डूँगरी रोड, जयपुर - 302004 द्वारा प्रकाशित

सम्पादक: लक्ष्मण बोलिया, सह संपादक: गोविन्द गुरबानी

Website : www.ebsr.in; Face book : fb/eyebanksocietyofraj; Youtube : Eye Bank Society of Rajasthan (EBSR)